एमओयू शासन, आईआईएम-एनआईटी और ओसवाल फाउंडेशन के बीच अनुबंध

आईआईएम-एनआईटी को 172 करोड़ देगा मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन, कौशल-नवाचार पर होंगे खर्च

सिटी रिपोर्टर | रायपुर

रायपुर| प्रदेश में शिक्षा, कौशल विकास और नवाचार के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत हुई। इसके तहत शुक्रवार को राज्य सरकार ने आईआईएम, एनआईटी और मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू के तहत मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन ने आईआईएम रायपुर और एनआईटी रायपुर को कुल 172 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है। इसमें से 101 करोड़ रुपए आईआईएम को और 71 करोड़ रुपए एनआईटी को दिए जाएंगे। इस राशि से साल 2027-28 तक आईआईएम में 202 कमरों वाला 'अग्रवाल-ओसवाल स्टूडेंट रेजिडेंस' हॉस्टल और एकेडमिक ब्लॉक 'दाऊ राम गोपाल अग्रवाल नॉलेज सेंटर' बनेगा। वहीं एनआईटी रायपुर में 'मिथिलेश अग्रवाल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना की जाएगी।

इस मौके पर सीएम साय ने कहा कि नवाचार एवं उद्यमिता उत्कृष्टता केंद्र' की स्थापना से युवाओं को शोध, प्रयोग और उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने का कार्य करेगा।

इनके बीच एमओयू

एमओयू साइनिंग कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल हुए। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेस के चेयरमैन व फाउंडेशन के सह-संस्थापक रामदेव अग्रवाल, बीओजी चेयरमैन, आईआईएम पुनीत डालमिया, बीओजी चेयरमैन एनआईटी डॉ. सुरेश हावरे शामिल हुए।

आईआईएम में सुविधाओं के साथ इंटरनेशनल प्रोग्राम शुरू होंगे

आईआईएम को मिली सहायता से 'अग्रवाल ओसवाल स्टूडेंट रेजिडेंस' नामक 202 कमरों वाला छात्रावास बनाया जाएगा। इसके साथ ही रामदेव अग्रवाल के दिवंगत पिता की स्मृति में एकेडमिक ब्लॉक 'दाऊ राम गोपाल अग्रवाल नॉलेज सेंटर' का निर्माण होगा। इसके साथ ही फंडिंग से यूएसए, यूके, फ्रांस और जर्मनी के प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर छह इंटरनेशनल दो वर्षीय दोहरी डिग्री वाले एमबीए प्रोग्राम भी शुरू किए जाएंगे।

एनआईटी में बनेगा एंटरप्रेन्योरशिप के लिए एक्सीलेंस सेंटर

एनआईटी रायपुर में 71 करोड़ रुपए से एमएसीआईईईटी की स्थापना की जाएगी। इस सेंटर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, ब्लॉकचेन, आईओटी, डीप टेक और क्लीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक लैब्स होंगी। सेंटर का लक्ष्य होगा कि साल 2030 तक 10 हजार से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया जाए, 250 से ज्यादा स्टार्टअप्स को इनक्यूबेट किया जाए और 5 हजार से अधिक रोजगारों का सृजन किया जाए।

Dainik Bhaskar, 09 August, 2025, P. 07.